भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

राज्य सभा

तारांकित प्रश्न संख्या *207

जिसका उत्तर 20 मार्च, 2023 को दिया जाना है।

.....

मिशन अमृत सरोवर

***207. श्री नीरज डांगी:**

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश में मिशन अमृत सरोवर के अंतर्गत राज्यों के प्रत्येक जिले में कितने जल निकायों को विकास और निर्माण हेतु चिन्हित किया गया है;

(ख) देश में इन सरोवरों के लिए अब तक पहचान किए गए स्थानों का राज्य-वार और जिले-वार ब्यौरा क्या है; और

(ग) देश में इस योजना के अंतर्गत अब तक कितने अमृत सरोवरों का निर्माण किया गया है, तत्संबंधी जिला-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जल शक्ति मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

***

"मिशन अमृत सरोवर" के संबंध में राज्य सभा में दिनांक 20.03.2022 को उत्तर दिए जाने वाले तारांकित प्रश्न संख्या *207 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) से (ग): भारत सरकार ने 24 अप्रैल 2022 को राष्ट्रीय पंचायत दिवस की पूर्व संध्या के अवसर पर मिशन अमृत सरोवर की शुरूआत इस उद्देश्य के साथ की गई थी कि देश के प्रत्येक जिले में कम से कम 75 अमृत सरोवर (तालाबों) का निर्माण /विकास किया जाए।

इसके अतिरिक्त, मिशन अमृत सरोवर संबंधी दिशानिर्देशों में यह निर्धारित किया गया है कि प्रत्येक अमृत सरोवर के अंतर्गत आने वाले तालाब का क्षेत्रफल कम से कम 1 एकड़ और जल धारण क्षमता लगभग 10,000 घन मीटर होनी चाहिए। यदि कोई जिला किसी नए अमृत सरोवर का निर्माण करने में असमर्थ रहता है तो दिशानिर्देश में यह भी अनुमति दी गई है कि वह जिला अपनी पारिस्थितिकीय स्थिति और उत्पादन उपयोगिता के पुनरूद्धार के लिए मौजूदा संरचनाओं का नवीनीकरण कर सकता है। हालांकि, जिलों को इस तरह की संरचनाओं को अधिक संख्या में शुरू करने पर कोई रोक नहीं है। ऐसे सभी अमृत सरोवरों को अमृत वर्ष के अंत तक अर्थात 15 अगस्त, 2023 तक पूरा किया जाना अपेक्षित है।

अब तक, मिशन अमृत सरोवर के तहत 98,993 स्थलों को चिह्नित किया गया है, जिनमें से 64,522 स्थलों पर काम शुरू हो चुका है। इसकी तुलना में, 36,992 स्थलों पर काम पूरा कर लिया गया है। मिशन अमृत सरोवर पोर्टल (https://amritsarovar.gov.in/Masterreport) पर राज्यवार और जिलावार विवरण सहित रियल टाइम आंकडे उपलब्ध रहते हैं।

****